KSMSK AGRO TRADE OPC PVT LTD

के साथ जुड़े कम जमीन में ज्यादा मुनाफा कमाएं....

किसान देश का महत्वपूर्ण अंग
अब हम किसनों के संग

आये हमारे साथ हाथ मिलाकर चलें कृषि के नए जगत में
और व्यवासायिक खेंती से पाऐं 1 एकड़ में. 15 से 20 गुना ज्यादा मुनाफा

MAA NARMADA ORGANIC AGRO TRADE का उद्देश्य हमारे देश के आर्थिक रूप से कमजोर किसानों को मजबूत बनाने का है। जो किसान पारंपरिक तरीकों से खेती करते हैं उनको वैज्ञानिक रूप से खेती करने के लिये शिक्षित करना व खेती कराना।

पिछले कुछ सालों में **Agri Product** विशेष तौर से **Organic Product** का व्यापार बहुत अधिक बढ़ा है, भारत सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2021 तक देश में **Organic Product** का मार्केट तथा व्यापार 12 हजार करोड़ रूपये को छू लेगा। देश ही नहीं विदेशों में भी **Organic Products** की डिमांड बढ़ रही है। इसकी संभावना को देखते हुए **MAA NARMADA ORGANIC AGRO TRADE** किसानों और बेरोजगारों को एग्रो बिजनेस के गुण सिखा रही है।

उपलब्ध सुविधाएं

- कृषि फाइनेंस सुविधा, आसान कागजी कार्यवाही के साथ।
- कृषि कराने की वैज्ञानिक विधि व सलाहकार की देख-रेख में उत्पादन।
- तैयार फसल बिक्री कराने की संपूर्ण जिम्मेदारी।
- साथ में इंटर क्रापिंग से कम समय में ज्यादा मुनाफा कराना।
- कम से कम 1 एकड़ में औषधीय खेती व पानी के साधन के साथ बैरीकेटिंग आवश्यक।

KSMSK AGRO TRADE OPC PVT LTD

IBD EMPORIUM BUSINESS COMPLEX
KOLAR ROAD BHOPAL MP

Created in Photo-to-PDF One Click Converter. Download here: https://firehawk.ai/phototopdf/

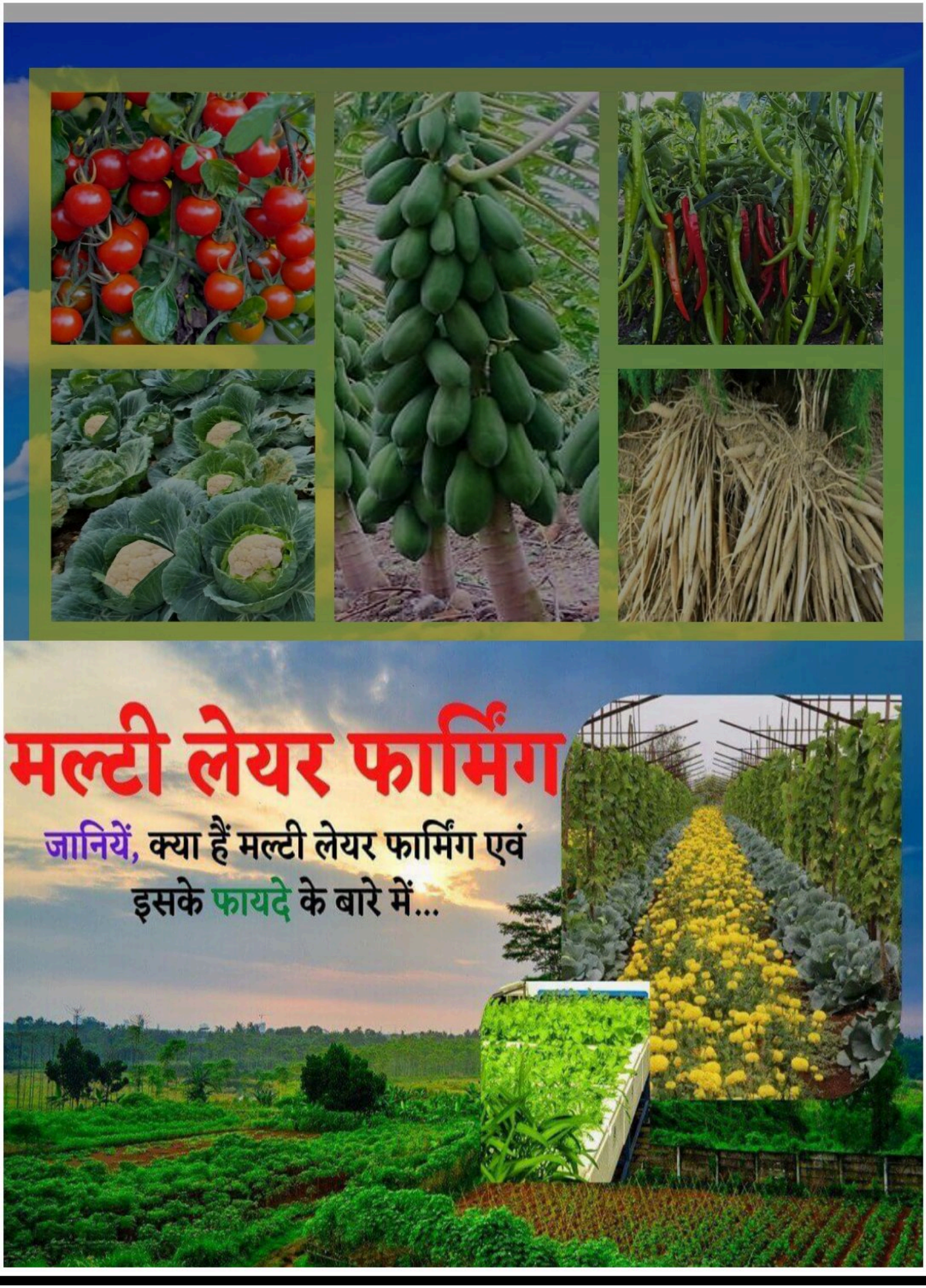

Created in Photo-to-PDF One Click Converter. Download here: https://firehawk.ai/phototopdf/

KSMSK AGRO TRADE OPC PVT LTD

पपीता की खेती

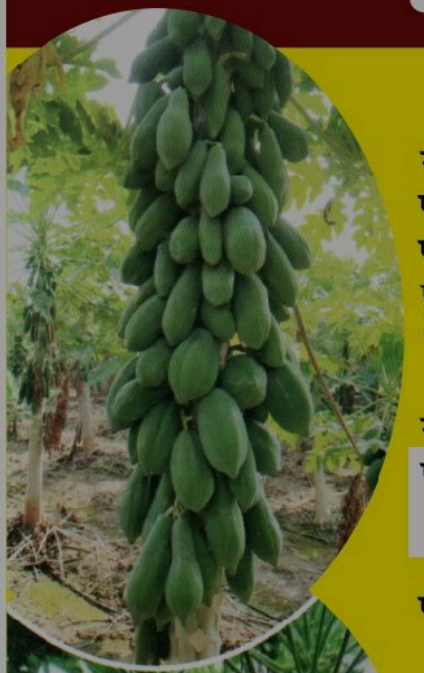

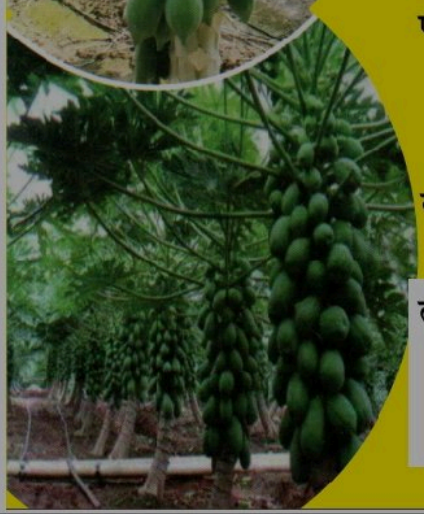

खेती करने का नाम	:-	पपीता
फसल उत्पादन का समय	:-	180 दिन से 540 दिन
फसल की अवधि	:-	540 दिन
प्रजाजि	:-	ताईबान रेड लेडी 786, इंडियन हाईब्रिड
1 एकड़ में पौधों की संख्या	:-	1250 पौधे प्रति 1 एकड़ में (6'6 फीट की दूरी)
खेत को तैयार करना	:-	वर्मीकम्पोस्ट 7 टन,5 ट्राली गोबर की खाद
पौधों की लागत	:-	90/- प्रति पौधा (ताईबान रेड लेडी- 786) प्रति एकड़, 1,12,500/-
फसल का उत्पादन	:-	90-150 किलो प्रति पौधा (ताईबान रेड लेडी 786) (90 X 1250 = 112500 किलो) 50 से 60 किलो प्रति पौधा (इंडियन हाइब्रिड) (50 X 1250 = 62500 किलो)
वापस खरीद मूल्य	:-	5/- प्रति किलो

लाभ

ताईबान रेड लेडी -112500 किलो X 5/- = 5,62,500/- (अनुमानित)
इंडियन हाइब्रिड - 62500 किलो X 5/- = 3,12,500/- (अनुमानित)

Created in Photo-to-PDF One Click Converter. Download here: https://firehawk.ai/phototopdf/

जैविक खेती का सुनहरा अवसर

इजराइल तकनीक के आधार पर जैविक अनुबंधित खेती) किसान भाइयों प्रणाम

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि आज भी हमारे किसान भाई पुरानी पद्धति द्वारा ही खेती करते हैं। जिसमें वे केवल एक सीजन में एक ही फसल ले पाते हैं जिसमें हमारे किसान भाई फसल में रसायनों का इस्तेमाल करते हैं। जिससे कि हमारी जमीन की उर्वरक क्षमता भी कम होती है। जिसमें वे इतना ज्यादा मुनाफा नहीं कमा पाते हैं। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि आज भी हमारे किसान भाई पुरानी पद्धति द्वारा ही खेती करते हैं। जिसमें वे केवल एक सीजन में एक ही फसल ले पाते हैं जिसमें हमारे किसान भाई फसल में रसायनों का इस्तेमाल करते हैं। जिससे कि हमारी जमीन की उर्वरक क्षमता भी कम होती है। जिसमें वे इतना ज्यादा मुनाफा नहीं कमा पाते हैं। तो किसान भाइयों हम आपके लिए लेकर आए हैं इसराइल की फाइव लेयर फार्मिंग (जैविक खेती) इस खेती में किसान मात्र 1 एकड़ जगह से अधिक से अधिक मुनाफा ले सकते हैं। इजरायल देश में यही फाइव लेयर खेती के द्वारा कम जगह में ज्यादा खेती करते हैं इस वजह से वह आज भी बहुत आगे हैं और हमारे किसान भाई बहुत पीछे हैं। इसराइल देश में किसानों के पास मात्र 1 एकड़ से 5 एकड़ जगह ही होती है इसके विपरीत हमारे भारत देश में किसानों के पास 1 एकड़ से लेकर 200 एकड़ या उससे अधिक रकबा होने के बाद भी हम बहुत पीछे हैं।

किसान भाइयों हम आपको बताएंगे कि कैसे हम इजरायल की 5 लेयर टेक्नोलॉजी (जैविक खेती) का इस्तेमाल करके कम जगह में ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं। तो किसान भाइयों आपको इस खेती को करने के लिए किसान के पास में चार चीजें होना जरूरी है।

किसान का कार्य

1. 1 एकड़ जगह
2. बिजली की व्यवस्था
3. पानी की व्यवस्था एवं
4. 350000 रुपए का निवेश
5. खेत के चारों ओर फेंसिंग की जिम्मेदारी किसान की रहेगी
6. खेत में सामान और फसल की देख रेख की जिम्मेदारी किसान की रहेगी
7. फसल की सपौर्ट के लिए बांस, बल्ली व अन्य सामग्री किसान की रहेगी
8. जरूरी दस्तावेज - आधार कार्ड, पेन कार्ड, पासपोर्ट फोटो, बैंक पासबुक की फोटोकॉपी, खसरे की कॉपी।

कंपनी का कार्य

1. मिट्टी का परीक्षण करवाना। (500/-)
2. खेत तैयार करवाना। (5000/-)
3. मल्चिंग लगवाना (पन्नी लगवाना) (45000/-)
4. वर्मी कंपोस्ट (ऑर्गेनिक खाद) (55000/-)
5. ड्रिप इरिगेशन (बूंद बूंद प्रणाली) (200000/-)
6. पौधे उपलब्ध करवाना (356000/-)
7. ट्रांसपोर्ट कंपनी का रहेगा |(40000/-)
8. फसल का बीमा
9. आपके उत्पाद को कंपनी मंडी रेट पर खरीदेगी।

★ किसान को ड्रिप एग्रीगेशन का Rs. 120000 की सब्सिडी किसान भाई के खाते 1 साल में आएगी।

★ फसल से जो भी फायदा होगा उसका 50% किसान का रहेगा एवं 50% कंपनी का रहेगा।

कंपनी आप की 1 एकड़ जमीन पर पांच प्रकार के सब्जिया और फल लगाएगी जो इस प्रकार है।

क्र.	फसल का नाम	पौधों की संख्या	समय /अवधि	उत्पादन	बिक्री मूल्य	टोटल मुनाफा
1. -	गोभी/पत्ता गोभी/ ब्रोकली	24000 पौधे	45-90 दिन	24000 Kg (1 Kg)	5 Rs.	1,20,000 Rs.
2. -	टमाटर	9000 पौधे	120-240 दिन	90000 Kg (10 Kg)	5 Rs.	4,50,000 Rs.
3. -	हरि मिर्च/ शिमला मिर्च	18000 पौधे	120-150 दिन	54000 Kg (3 Kg)	5 Rs.	2,70,000 Rs.
4. -	पपीता (ताइवान 786)	1250 पौधे	240-540 दिन	1,12,500 Kg (90 Kg)	5 Rs.	5,62,500 Rs.
5. -	सतावर (ओषधी)	9000 पौधे	540-730 दिन	13500 (4050) Kg (1,5 Kg)	200 Rs.	8,10,000 Rs.
				TOTAL:		22,12,500 Rs.

Created in Photo-to-PDF One Click Converter. Download here: https://firehawk.ai/phototopdf/

Created in Photo-to-PDF One Click Converter. Download here: https://firehawk.ai/phototopdf/

जैविक खेती का फायदा

- जैविक खेती का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे आप अपने क्षेत्र की मृदा और उर्वरा शक्ति को लम्बे समय तक संरक्षित कर सकते हैं, जिससे बिना रसायनो के उपयोग से भी लाभदायक खेती की जा सकती है।
- जैविक खेती के उपयोग के बाद आप अपने खेतों में वो फसलें भी बो सकते हैं, जो आज तक नहीं हुई हो, क्योंकि मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ने के बाद किसी भी तरह की फसल बोई जा सकती है।
- जैविक खेती का सीधा प्रभाव पशुओं पर भी पड़ेगा क्योंकि उनको मिलने वाले भोजन में रसायन की मात्रा नहीं होगी तो उनके द्वारा दिए गये दूध की गुणवत्ता भी बेहतर होगी और पशुओं का स्वास्थ्य ही बेहतर होगा।
- पशुओं के साथ-साथ मनुष्यों पर भी इसका दीर्घकालिक परिणाम होगा जिससे कई असाध्य बीमारियों से बचा जा सकता है और अपने सेहत को दुरुस्त बनाया जा सकेगा।
- जैविक खेती से शुरुआत में थोड़ी परेशानी होगी लेकिन दीर्घकालिक आपकी फसलों की गुणवत्ता बेहतर होगी, जिससे आपको मुनाफा भी काफी अच्छा मिलेगा।
- जैविक खेती हेतु गोधन की अनिवार्यता समझी जायेगी। जो कि गोबर की खाद हेतु तथा अन्य खादों के लिये आवश्यक होगी।
- रसायन मुक्त उपज से किसानों को निर्यात का अवसर मिलेगा।

हर्बल स्प्रे

हर्बल स्प्रे बनाने के लिए आवश्यक सामग्री

प्लास्टिक ड्रम: 100 लीटर क्षमता का, गौ मूत्र : 60 लीटर, प्याज : 1 किलो, अदरक : 1 किलो, लहसुन : 1 किलो, हरी मिर्च : 0.5 किलो, नीम की पत्तियां : 2.5 किलो , आक की पत्तियां : 2.5 किलो, धतूरे की पत्तियां : 0.5 किलो, पपीते की पत्तियां : 0.5 किलो।

हर्बल स्प्रे बनाने की विधि

- एक ड्रम में गौ मूत्र एकत्र कर लें।
- उपलब्ध सामग्री को पीस कर पेस्ट बना लें।
- सभी को एक ड्रम में मिला दें।
- 5 से 6 दिन के अंतराल पर ड्रम में रखी सामग्री को डंडे से हिलाते रहें।
- 40 से 45 दिन में हर्बल स्प्रे तैयार हो जाता है।

उपयोग करने की विधि

- कीट एवं बीमारी से बचाव के लिए 20 दिन के अंतराल पर हर्बल स्प्रे की स्प्रे करते रहें।
- 20 लीटर हर्बल स्प्रे को 100 लीटर पानी में मिलाकर 1 एकड़ में स्प्रे करने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

Created in Photo-to-PDF One Click Converter. Download here: https://firehawk.ai/phototopdf/

KSMSK AGRO TRADE OPC PVT LTD

भूमिका

भारत एक कृषि प्रधान देश है। आज भी लगभग **70%** भारतीय किसान हैं। किसान भारत देश की रीड की हड्डी हैं। भारतीय किसान दिन-रात अटूट मेहनत करते हैं, बावजूद इसके वो आज भी गरीब हैं और अपने परिवार का पालन पोषण, शिक्षण तथा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति सही ढंग से नहीं कर पाते। जिसका कारण अभी तक किसानों का कम पढ़ा लिखा होना माना जाता था, परंतु आज लगभग सभी किसान शिक्षित है, उसके बावजूद उनके जीवन में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ। किसान दलालों, माफियाओं साहूकारों से प्रताड़ित हो रहा है जो उन्हें खाद-बीज के नाम पर ठग रहे हैं।

किसानो की समस्या

- आज किसानों की समस्याओं पर गौर करें तो उसे कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे
- ज्यादा रासायनिक खादों के प्रयोग से जमीन का बंजर होना।
- फसलों में पानी की खपत दिनों-दिन बढ़ना।
- खाद की मात्रा में प्रतिवर्ष वृद्धि |
- समय पर खाद बीज न मिलना।
- खेती में लागत ज्यादा और उत्पादन कम होना।
- खेती में प्रयोग होने वाली दवाइयों जैसे-खाद, कीटनाशक आदि का सर्टिफाइड न होना अर्थात् दवाइयों से फसल के नुकसान की भरपाई न होना।

इन सभी समस्याओं के कारण किसान शहरों की ओर पलायन कर रहा है और आत्महत्या के लिए मजबूर हो रहा है। किसानों के खेती न करने से बहुत सी सामाजिक विसंगतियां और दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं।

योजना शुरू करने का उद्देश्य

किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए हमारी कंपनी ने किसान समूह गठन का कार्य आरंभ किया गया है। वर्तमान में भारत सरकार ने भी किसानों की आय को 2022 तक दोगुना करने की योजना बनाई है। जिसको लेकर कृषि बजट के 2017-18 के 51 हजार 576 करोड़ को बढ़कर इस वर्ष 2018-19 में 58 हजार 80 करोड़ रूपए कर दिया गया है। वर्तमान में शासन के द्वारा किसानों की आय को बढ़ाने के लिए निम्न निर्णय लिए गए हैं।

- किसानों को रसायनमुक्त खेती कॉन्ट्रेक्ट पर करने की डीलरशिप दी जाएगी।
- किसानों को जैविक खाद व आर्गेनिक खाद के प्रति जागरूक करना जिससे जमीन की उर्वरता बनी रहे।
- किसान समूह बनाकर जागरूकता बढ़ाना और पूर्ण जैविक ग्राम बनाना।
- किसानों को अन्य व्यवसाय खेती जैसे सागौन, आर्गेनिक/केमिकल फ्री सब्जियां, पापुलर, फलोंद्यान, मसालों की खेती, आयुर्वेदिक पौधों की खेती के बारे में जानकारी देकर कृषि कराना। हाइब्रिड और टिशु कल्चर के पौधों को बढ़ावा देना।
- ग्रामीण क्षेत्र के किसानों और युवकों को कृषि से संबंधित कार्य के लिए रोजगार से जोड़ना।

खेत की तैयारी

खेत की तैयारी में सर्वप्रथम किसान को प्लाटिंग कराना होगा जिसमें 9 से 12 इंच की मिट्टी को पलटना होता है उसके बाद 5 ट्राली गोबर की खाद तथा दो ट्राली मुर्गे की खाद डालना होता है या 7 टन वर्मी कंपोस्ट खाद को 600 ग्राम प्रति पौधा में रोपण करते हुए। डालना होता है उसके बाद रोटावेटर से उसको मिक्स अप करना होता है तत्पश्चात् उसमें बांडिंग फार्म से मेड बनाई जाती है मेड बनाने के बाद डेढ़ डेढ़ फुट की दूरी पर पौधारोपण किया जाता है।

प्लास्टिक मल्चिंग क्या है।

खेत में पौधों की जमीन को चारों तरफ से प्लास्टिक की एक फिल्म के जरिए सही ढंग से कवर करने (ढकने) की तकनीक को प्लास्टिक मल्चिंग कहते हैं। यह फिल्म कई साइज, क्वालिटी और कई रंगों में बाजार में मिलती है।

इस तकनीक का क्या फायदा होता है।

- अगर आप मिट्टी में कम नमी और मिट्टी के कटाव से परेशान हैं तो ये तकनीक आपके लिए बेहद ही कारगर साबित हो सकती है। इस तकनीक के जरिए खेत में पानी की नमी को बनाये रखने में तो मदद मिलती ही है साथ ही सूरज की तेज धूप के कारण मिट्टी से पानी सोख लेने की समस्या से भी निजात मिल जाती है।
- इस तकनीक की मदद से खेत में मिटटी का कटाव रोकने के साथ साथ खतपतवार को भी सफलतापूर्वक रोका जा सकता है।
- अगर आप बागवानी करते हैं तो आपको प्लास्टिक मल्चिंग तकनीक से बागवानी में होने वाले खतपतवार को रोकने के अलावा पौधों को लम्बे समय तक सुरक्षित रखने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा जमीन के कठोर होने की परेशानी भी खत्म होती है और पौधों की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है।

कैसे होता है सब्जियों की फसल में प्लास्टिक मल्चिंग का इस्तेमाल

- जिस खेत में सब्जी वाली फसल लगानी हैं उसे पहले अच्छे से जुताई कर लें। इस बीच मिट्टी की जांच करवा लें। जांच की रिपोर्ट के हिसाब से जोते हुए खेत में गोबर की खाद उचित मात्रा में डाल दें। इसके बाद खेत में उठी हुई क्यारियां बनाएं। फिर उनके ऊपर ड्रिप (टपक) सिंचाई की पाइप लाइन को बिछाएं।
- सब्जियों की खेती के लिए 25 से 30 माइक्रोन प्लास्टिक मल्च फिल्म बेहतर होती है। इस फिल्म को उचित तरीके से बिछाते जाएं और फिल्म के दोनों किनारों को मिटटी की परत से दबाते जाएं। इसे आप टैक्टर से चलने वाली मशीन से भी दबा सकते हैं।
- इसके बाद आपको उस फिल्म पर गोलाई में पाइप से दो पौधों की बराबर दूरी तय करके छेद करने होंगे। फिर इन छेदों में बीज या नर्सरी में तैयार पौधों का रोपण करना होगा।

Created in Photo-to-PDF One Click Converter. Download here: https://firehawk.ai/phototopdf/

KSMSK AGRO TRADE OPC PVT LTD

Multi Layer Farming

खेती की इस तकनीक से करें एक साथ दो से 3 या इससे भी अधिक फसलों की बुवाई, कम लागत में पाएं 8 गुना ज्यादा मुनाफा।

कुछ लघु और सीमांत किसानों के पास खेती करने के लिए भूमि बहुत कम होती है। ऐसी स्थिति में किसानों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें खेती से फसल का कम उत्पादन मिल पाता है, जिस कारण उनकी आमदनी भी घट जाती है। मगर आज हम लघु और सीमांत किसानों को एक ऐसी तकनीक के विषय में बताने जा रहे हैं, जिसको अपनाकर किसान अपनी खेती को काफी बेहतर बना सकते हैं। हम मल्टी लेयर फार्मिंग की बात कर रहे हैं, जिसको कई किसान बहुस्तरीय खेती के नाम से जानते होंगे। आज की खेती के लिए यह तकनीक बहुत उपयोगी है।

मल्टी लेयर फार्मिंग क्या है? What is multi layer farming?

इस तकनीक से किसान एक ही खेत में एक साथ 2 से 3 या इससे भी अधिक फसलों की खेती आसानी से कर सकता है। इसके लिए किसान पहले जमीन में ऐसी फसल लगाए, जो कि भूमि के अंदर उगती है. इसके बाद उसी भूमि में सब्जी और फलदार पौधे लगा सकते हैं। इस तकनीक से किसान कम भूमि में भी एक से अधिक फसल की खेती कर सकता है।

मल्टी लेयर फार्मिंग के फायदे (Advantages of multilayer farming)?

- किसान अपनी फसलों को कीट और रोग से बचा सकता है।
- भूमि में खरपतवार लगने का खतरा कम हो जाता है।
- जैविक खाद का उपयोग होता है, जिससे निराई-गुड़ाई का खर्चा भी बच जाता है।
- खाद की बचत होती है, क्योंकि एक फसल में जितनी खाद पड़ती है, उतनी खाद से 2 से 3 फसलों के लिए पर्याप्त होती है।
- इस तकनीक में पानी की 70 प्रतिशत तक बचत होती है।
- किसानों के लिए अधिक मुनाफा मिलता है।

मल्टीलेयर फार्मिंग में कम लागत से ज्यादा मुनाफा

कृषि विशेषज्ञों की मानें, तो अगर किसान मल्टीलेयर फार्मिंग से खेती करता है, तो उनकी लागत 4 गुना कम लगती है। इसके साथ ही मुनाफा 6 से 8 गुना तक बढ़ जाता है. अगर किसान खेत में एक साथ कई फसलों की खेती करता है, तो फसलों को एक-दूसरे से पोषक तत्व मिल जाते हैं. इस तरह भूमि उपजाऊ भी बनती है, साथ ही पानी और खाद की बचत होती है।

Created in Photo-to-PDF One Click Converter. Download here: https://firehawk.ai/phototopdf/

कम्पनी का उद्देश्य

- केमिकल रहित अथवा आर्गेनिक खेती किसानों से करवाना एवं प्रशिक्षित करना, खेत की जमीन का अधिक से अधिक उपयोग (मल्टीलेयर फार्मिंग) करना एवं प्रशिक्षित करना।
- किसानों को कृषि उत्पाद का उचित मूल्य दिलाना।
- पारम्परिक कृषि के साथ औषधि वनस्पति, सब्जी, फलदार पौधों की उन्नत खेती करना, सिखाना एवं आत्म निर्भर बनाना।
- कृषि कार्य के लिये उपयोगी जीवों एवं पशुओं की उपयोगिता, प्रशिक्षण एवं पालन कार्य करवाना।

सत्यमेव जयते

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS

Central Registration Centre

Certificate of Incorporation

[Pursuant to sub-section (2) of section 7 and sub-section (1) of section 8 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013) and rule 18 of the Companies (Incorporation) Rules, 2014]

I hereby certify that KSMSK AGRO TRADE (OPC) PRIVATE LIMITED is incorporated on this SEVENTEENTH day of MAY TWO THOUSAND TWENTY THREE under the Companies Act, 2013 (18 of 2013) and that the company is Company limited by shares

The Corporate Identity Number of the company is **U47737MP2023OPC065816**

The Permanent Account Number (PAN) of the company is **AAKCK2517P***

The Tax Deduction and Collection Account Number (TAN) of the company is **BPLK07036B***

Given under my hand at Manesar this SEVENTEENTH day of MAY TWO THOUSAND TWENTY THREE

Signature Not Verified
Digitally signed by
DS MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS 10
Date: 2023.05.18 02:29:54 IST

Shivraj Ranjer
Assistant Registrar of Companies/ Deputy Registrar of Companies/ Registrar of Companies
For and on behalf of the Jurisdictional Registrar of Companies
Registrar of Companies
Central Registration Centre

Disclaimer: This certificate only evidences incorporation of the company on the basis of documents and declarations of the applicant(s). This certificate is neither a license nor permission to conduct business or solicit deposits or funds from public. Permission of sector regulator is necessary wherever required. Registration status and other details of the company can be verified on mca.gov.in

Mailing Address as per record available in Registrar of Companies office:

KSMSK AGRO TRADE (OPC) PRIVATE LIMITED

SHOP NO B 10 IBD EMPORIUM,BUSINESS COMPLEX,Kolar Road,Bhopal,Bhopal-462042,Madhya Pradesh

*as issued by Income tax Department

आयकर विभाग
INCOME TAX DEPARTMENT
भारत सरकार
GOVT. OF INDIA

स्थायी लेखा संख्या कार्ड
Permanent Account Number Card

AAKCK2517P

नाम / Name
KSMSK AGRO TRADE (OPC) PRIVATE LIMITED

निगमन / गठन की तारीख
Date of Incorporation/Formation
17/05/2023

If this card is lost / someone's lost card is found, please inform / return to :

Income Tax PAN Services Unit, Protean eGov Technologies Limited
(formerly NSDL e-Governance Infrastructure Limited)
4th Floor, Sapphire Chambers,
Baner Road, Baner,
Pune - 411045

has been assessed and found to conform to the requirements of

ISO 9001:2015

for the following scope :

TRADING OF PRODUCT SUPPLIER OF PLANT AND CONTRACT FARMING

Created in Photo-to-PDF One Click Converter. Download here: https://firehawk.ai/phototopdf/